Std. VII L.10.सयानी बुआ(HINDI LIT)

शब्दार्थ:---

बोझिल--- बोझ की तरह /असहनीय

कायदे--- नियम

पटु ---- चतुर,कुशल

बाध्य---- मजबूर

नफ़रत---- घृणा

विकट--- कठिन

तुच्छ----- छोटा,निम्न

आश्वासन---दिलासा

नश्वर---- जो नष्ट हो सके

प्रश्न 1. बुआ का नाम सयानी क्यों पड़ा?

उत्तर --- बुआ बचपन से ही अनुशासन प्रिय व समय की पाबंद थीं ।अपनी चीज़ें इतना संभाल कर रखती कि देखने वाले दंग रह जाते।उनकी इसी आदत की वजह से सारा काम व्यवस्थित होता ।इसी सयानेपन के कारण लोग उन्हें सयानी बुआ कहने लगे ।

प्रश्न .2. लेखिका के सामने क्या प्रस्ताव रखा गया?

उत्तर -- लेखिका के माता-पिता पढ़ाई के विषय में बहुत सतर्क थे , इसलिए आगे की पढ़ाई के लिए लेखिका के सामने बुआ के पास जाकर पढ़ने का प्रस्ताव रखा गया। लेखिका बुआ के नाम से ही भयभीत रहती थी ,इसलिए उसने साफ़ इनकार कर दिया पर पिताजी के डाँटने व समझाने के बाद लेखिका बुआ के पास जाने के लिए राज़ी हो गई।

प्रश्न .3. डॉक्टर ने अन्नू को कहाँ ले जाने की सलाह दी ?

उत्तर-- डॉक्टरों के इलाज के बाद भी अन्नू की बीमारी ठीक नहीं हो रही थी ,तब अंत में डॉक्टर ने अन्नू को पहाड़ पर ले जाने की राय दी और कहा कि उसे जितना अधिक प्रसन्न रखा जा सके, रखा जाए तथा सब कुछ उसके मन के अनुसार ही हो ।

प्रश्न 4.लेखिका ने भाई साहब किसे कहा है?

उत्तर--- लेखिका ने बुआ जी के पति को भाई साहब कहा है ,जो बहुत ही अच्छे स्वभाव के व्यक्ति थे ।

प्रश्न 5. लेखिका द्वारा चित्रित सयानी बुआ जी का चरित्र चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

उत्तर -- सयानी बुआ अपने नाम के अनुरूप थी। उन्हें शिष्टाचार और अनुशासन बेहद पसंद था। उनके कारण घर का काम इतनी व्यवस्था से होता,मानो सब मशीनें हों ,जो कायदे से बिना रुकावट अपना काम किए जा रही हों ।सयानी बुआ बचपन से ही समय की पाबंद थी और अपनी चीज़ें इस तरह संभाल के रखतीं कि उसे देखकर आश्चर्य होता।उम्र के साथ-साथ उनकी चतुराई बढ़ती गई और फिर बुआ जी के जीवन में इतनी अधिक घुल- मिल गई कि उसे अलग करके बुआ जी की कल्पना भी नहीं की जा सकती ।

प्रश्न 6.पिताजी बार-बार बुआ जी का उदाहरण क्यों देते थे ?

उत्तर-- बुआ जी के कारण हर काम समय पर, हर चीज़ उचित जगह पर तथा वर्षों पुरानी चीज़ें भी नई व ज्यों के त्यों लगती थी ।उनकी इसी बुद्धिमानी की वजह से लेखिका के पिता अपनी बहन की प्रशंसा करते थे ।वे चाहते थे कि उनके लापरवाह बच्चे अपनी बुआ से कुछ सीख लें, इसलिए वे बार-बार बुआ जी का उदाहरण देते थे ।

प्रश्न 7.घर में अन्नू की स्थिति कैसी थी ?

उत्तर -- बुआ जी की अनुशासन प्रियता का सबसे ज़्यादा असर अन्नू पर था।पाँच वर्ष की उम्र में ही अन्नू प्रौढ़ हो गई थी ।उसमें न बच्चों जैसी खुशी थी न ही कोई चहचहाहट। उसे न तो अपने मन के अनुसार खेलने - खाने और न ही पहनने की आज़ादी थी ।वह कठपुतली समान हो गई थी, जिसे बुआ अपनी इच्छा अनुसार चलाती थीं। उसे देख ऐसा लगता ,मानो कोई अज्ञात भय ने घेरा हो।

प्रश्न 8.'भाई साहब ने शायद सारी बात डॉक्टर के सामने रख दी।' इस वाक्य में 'सारी बात ' से लेखिका का क्या अभिप्राय है?

उत्तर ---- जीवन में किसी भी चीज़ की अति अच्छी नहीं होती। बुआ भी बहुत अनुशासन प्रिय थीं,लेकिन उनका आवश्यकता से अधिक अनुशासन दूसरों की ज़िंदगी को नष्ट करने लगा। उनका व्यक्तित्व घर के सभी लोगों पर हावी था। वह दूसरों की ज़िंदगी भी अपने तरीके से चलाती थीं। उन्हीं की पसंद के अनुसार लोग खाएँ , पहने - ओढ़ें ,यहाँ तक कि बोल-चाल की भाषा भी उनकी ही होनी चाहिए ।इस कारण उनके घर का वातावरण नीरस व यंत्रचालित हो गया था ।उनके घर में न ही कोई उल्लास और न ही हँसी - खुशी थी। सबके मन मर गए थे और सभी लोग मिट्टी के पुतले समान हो गए थे। यही सारी बात है लेखिका के भाई साहब ने डॉक्टर के सामने कही ।

Qn 9. आशय स्पष्ट करें:-

उसे देख कर मुझे लगता मानो शरीर में ज्वर के कीटाणु नहीं, बुआ जी के भय के कीटाणु दौड़ रहे हैं जो उसे ग्रसते जा रहे हैं।

------ जिस उम्र में बच्चे खुशी व मनमर्ज़ी से रहते हैं ,उसी उम्र में अन्नू प्रौढ़ हो गई थी। उसकी बोल-चाल ,व्यवहार सभी बड़ों जैसा था ।उसे देख ऐसा लगता ,कि छोटी -सी जान पर बहुत बोझ डाल दिया गया हो ।लेकिन बुआ जी की इतनी सावधानी के बाद भी अन्नू को बुखार आने लगा और डॉक्टरों के इलाज का भी कोई प्रभाव नहीं पड़ रहा था। उसे देखकर लेखिका को लगता कि उसे दवाई नहीं ,बल्कि उसके मन से बुआ के भय को दूर करना ज़रूरी है और उसके मन के अनुसार कार्य करने की स्वतंत्रता ही, सही उपचार है।

भाषा संसार:-----

1) इन शब्दों से मूल शब्द व प्रत्यय अलग करें----

मूलशब्द----- प्रत्यय

व्यक्तित्व --- व्यक्ति - त्व

व्यवस्थित --व्यवस्था - इत

यंत्रचालित -- यंत्रचाल - इत

गृहस्थी-- गृहस्थ -- ई

मौखिक -- मुख - इक

चिंतित -- चिंता - इत

धैर्यपूर्वक -- धैर्य -- पूर्वक

अंतिम --- अंत - इम

देखकर --- देख - कर

प्रौढ़ता--- प्रौढ़ - ता

2)इन भाववाचक संज्ञा से विशेषण बनाइए:---

साहस -- साहसी

व्यवस्था -- व्यवस्थित

धैर्य ---- धैर्यवान

चतुराई --- चतुर

दुलार --- दुलारा

3) इन वाक्यों से कारक शब्द चुनकर भेद लिखें :---

क)सब पर बुआ जी का व्यक्तित्व हावी है।--

बुआजी का-- संबंध कारक

ख) चौथी कक्षा में खरीदी थी।---

कक्षा में-- अधिकरण कारक

ग)हम सभी खैर मनाया करते थे।----

हम सभी---कर्ता कारक

घ)मैंने घर से विदा ली।--

घर से--- अपादान कारक।

ङ)कप हाथ से गिरकर टूट गए।----

हाथ से--अपादान कारक

4) विशेषण भेद लिखें :----

पंद्रह वर्ष---- संख्यावाचक विशेषण

लंबी सूची---- परिमाणवाचक विशेषण

एक चिट्ठी----- संख्यावाचक विशेषण

कुछ क्षण ----संख्यावाचक विशेषण

यह बात ----सार्वनामिक विशेषण

अधिक पानी --- परिमाणवाचक विशेषण

5)मुहावरे के अर्थ लिखें:-----

1)व्यक्तित्व हावी होना ---- अपना दबदबा बनना

2)खैर मनाना---- कल्याण की कामना करना

3) मिट्टी के पुतले होना ---- कोई संवेदना न होना

4)पीला पड़ना --- कमज़ोर होना

5) मन मारना ---- अपनी इच्छाओं को दबाना।